सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री के.पी. सिंह देव) : (क) और (ख) प्रकाशन विभाग द्वारा महात्मा गांधी की सम्पूर्ण रचनाओं के प्रकाशन का कार्य अंग्रेजी में पूरा कर लिया गया हैं। इसके 100 खण्ड हैं। अब तक हिन्दी में 83 खण्ड पूरे कर लिए गए हैं। सह श्रृखंला केवल अंग्रेजी और हिन्दी में प्रकाशित की जा रही हैं।

(ग) सरकार के पास अंग्रेजी में 100 खण्डों की 1,21,000 प्रतियां और हिन्दी में 83 खण्डों की 51,000 प्रतियां उपलब्ध हैं।

(घ) इस संबंध में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं हैं।

Import of Boeing aircraft

989. DR. BAPU KALDATE:
SHRIMATI KAMLA SINHA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether a number of private airlines have approached to clear import of Boeing aircraft;

(b) if so, the number of applications received, cleared and pending; and

(c) the reasons for delay in clearing the import and leasing of aircraft by domestic airlines?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (c) Government have cleared the import of Boeing-737 aircraft for scheduled private airlines as follows:—

	Name of Airlines	Details of Boeing Aircraft Cleared for Import
1.	East West Airlines	7 B-737-200 4 B- 737-400 (One as replacement + three as maintenance reserve)
2.	Jet Airways	4 B-737-300 2 B-737-400 4 B-737-300/400 (Not more than 8 aircraft to operate at any time)
3.	Damania Airways	5 B-737-200
4.	Modiluft	4 B-737-200 4 B-737-400

In addition, one application has been received from East West Airlines on 30th June, 1995 for import of five more B-737-400 aircraft. The Company has been asked to furnish information regarding status of acquisition of aircraft earlier permitted for import, financing arrangements for proposed additionality and submission of a perspective plan for fleet expansion.

भारतीय प्रसारण सेवा का कार्य निष्पादन-स्तर बदत्तर होना

990. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले तीन वर्षो के दौरान देश में भारतीय प्रसारण सेवा का निष्पादन स्तर काफी बदत्तर हुआ हैं;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस दिशा में कोई राष्ट्रव्यापी विस्तृत अध्ययन कराया हैं;

(घ) क्या आकाशवाणी के श्रोताओं की संख्या में कितनी मिलावट आयी हैं; और